

# केन्द्रीय विद्यालय करौली

E-MAGAZINE- 2019-20



सत्यं खं धृष्टं कथावृत्तं  
केन्द्रीय विद्यालय संगठन  
Kendriya Vidyalaya Sangathan



- संकुल स्तरीय-सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी एवं राष्ट्रीय एकता पर्व -2019 का आयोजन
- संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन
- स्वच्छता पखवाडा व हिन्दी पखवाडा का आयोजन



**Mr. N.M. Pahadiya**  
**I.A.S.**

## **Message**

It is a matter of immense pleasure to me that Kendriya Vidyalaya is bringing out its E-Magazine for the session – 2019-20.

I hope that the E-magazine (Vidyalaya Patrika) will provide an opportunity to the students and teachers to express themselves.

The E-magazine will go a long way in bringing desirable changes in the overall development of the Vidyalaya in general and the student's community in particular. I convey my best wishes for the successful e-publication of the Magazine.

Mr. N.M. Pahadiya, IAS  
District Collector &  
Chairman VMC, KV Karauli

## प्राचार्य की कलम से –

विद्यालय पत्रिका विद्यालय की गतिविधियों का दर्पण होती है जिससे विद्यालय में होने वाले क्रिया-कलापों की झलक मिलती हैं। इसके माध्यम से बाल कलाकारों की अंतर्निहित प्रतिभा को उकेरने का अवसर मिलता है। मुझे विश्वास है कि नन्हे-मुन्ने सृजन कर्ताओं की रचनाएँ आपके अन्तर्मन का स्पर्श अवश्य करेंगी।



पवन सिंह मीना  
प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय करौली

साथ ही मैं संपादक मण्डल के सभी सदस्यों तथा विद्यार्थियों का साधुवाद करता हूँ जिन्होंने विद्यालय पत्रिका के संपादन व प्रकाशन में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से योगदान दिया।

## संपादक की कलम से –

फूलों की तरह, कलियों की तरह सारा उपवन महकाया है।  
हर छँव के बाद विराम नहीं आगे ही बढ़ते जाना है।।



विद्यार्थियों की सतरंगी रचनाओं से सुसज्जित विद्यालय पत्रिका के मनोरम पुष्पगुच्छ को आपको सौंपते हुए मन अपरिमित आनंद से परिपूर्ण है क्योंकि इसके माध्यम से विद्यार्थियों की, जिन्होंने साहित्य के प्रांगण में पहला चरण रखा है, प्रतिभा से आपको रूबरू कराने का मौका मिल रहा है। आशा है आप उदारतापूर्वक विद्यार्थियों की कृतियों का रसास्वादन करेंगे व अपने आशीषों से उन्हे कृतकृत्य करेंगे।

मैं विद्यालय के प्राचार्य का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके कुशल नेतृत्व, दृढ संकल्प शक्ति तथा प्रखर व्यक्तित्व की छत्र छाया में हम अपने कृतित्व को एक रमणीय रूप देने में कामयाब हुए।

यह नीड मनोहर कृतियों का

यह विश्व कर्म रंगस्थल है।

है परम्परा लग रही यहाँ

ठहरा जिसमें जितना बल है।

—रीता माथुर  
स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिंदी)



**DEEPANSHU GURJAR**  
Head Boy, KV Karauli

Before expressing my views regarding such as a prestigious and esteemed school of a city I want to thank that I have got golden opportunity for writing a few words regarding not only a national but also an international Recognized institution as we know school is merely a building of bricks without its teachers .Teachers are the real building blocks of a school and I am Fortunate one who has been bestowed with highly qualified, generous and hard working teachers who are ready to help their students 24x7.

In contrast to other school, my school does not solely focus on academic performance along with academic extra co-curricular activities are organized time to time and this is one of the main reason why I love my school.

If I talk about school infrastructure, its scenic beauty is so heart touching that nobody can take his eyes off. It has all the required facilities which are necessary for overall development of one's personality.

I feel blessed to study in such a glorious school of my city and I am proud to be a "kvian"..



**KASHISH JADOUN**  
Head Girl, KV Karauli

“विद्यालय प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन की वह आधारशिला है जिस पर न जाने कितने सपने संजोए एवं उक्रेरे जाते हैं।”

मुझे एवं मेरे सभी साथियों का निश्चित ही इस बात पर जीवन भर गौरव रहेगा कि हमने अपने स्वर्णिम काल को करौली जिले के सर्वोत्कृष्ट विद्यालय में विद्याध्ययन किया है।

एक जैसी वेशभूषा, अध्यापन, अनुशासन से परे मेरा विद्यालय एक परिवार की तरह है जिसमें अध्यापकों का स्नेह, प्रधानाचार्य महोदय का मार्गदर्शन सहपाठियों के सहयोग ने हमें अपने ऊपर विश्वास करना एवं उन्नति के मार्ग पर चलते रहने का संदेश दिया है।

विद्यालय की मोहक एक उत्कृष्ट इमारत तथा इसमें पल्लवित होते विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य हमारे विद्यालय की पहचान बन चुकी है। प्रतिभागिताओं के विभिन्न स्तरों पर सभी के सहयोग ने विद्यालय को एक मुकाम दिलाया है जो करौली जिले में विद्यालय को प्रतिष्ठा के साथ सदैव गौरवान्वित महसूस करता रहेगा।

विद्यालय के समुचित विकास में सबका अपना योगदान रहता है, विद्यालय की हैड गर्ल होने के नाते मैंने भी स्वयं का योगदान देने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मैं विद्यालय परिवार एवं इसके सभी सदस्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

जय हिंद



## संस्कृति का आधार है नारी

॥ यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता ॥

वैदिक काल से हमारी गौरवशाली संस्कृति का आधार यह उक्ति रही है। हमारे देश में पुरा काल से स्त्रियों को सम्मानीय माना जाता है लेकिन काल का रथचक्र अबाध गति से घूमता है जिससे स्त्रियों की गरिमा में होने वाले परिवर्तनों को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। युगों-युगों से देवी के रूप में प्रतिष्ठित नारी पर मुगलकाल में अत्याचार हुये उसे बंदिनी बना दिया गया उसे



पर्दे में रहने के लिए मजबूर किया गया उसकी प्रतिष्ठा पर प्रश्न चिह्न लग गए। पुरुष प्रधान समाज की कुदृष्टि के कारण राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त जी के शब्दों में-

अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी

ऑचल में है दूध और आँखों में पानी।

समाज के विभिन्न विरोधों, प्रतिबन्धों एवं उत्पीडन के बावजूद नारी ने समाज में अपना अतीत कालीन गौरवशाली रूप हासिल करने का बीडा उठाया और काफी हद तक इस क्षेत्र में यह कामयाब भी हुई। घर हो या बाहर, कार्यालय हो या मंत्रालय, धर्म हो या राजनीति, विज्ञान हो या वाणिज्य, चिकित्सा हो या तकनीक हर क्षेत्र में नारी अपनी प्रतिभा का परचम फहराकर जन मानस को अपने समक्ष नतमस्तक होने के लिए मजबूर कर रही है।

लेकिन विडंबना देखिए इस सभ्य सुसंस्कृत शिक्षित समाज में नारी को सिर्फ और सिर्फ भोग्या ही माना जा रहा है फिर चाहे फिल्म जगत हो, दूरदर्शन या फिर घर उसकी प्रतिभा को दरकिनार करते हुए उसके स्वाभिमान को तार-तार करने वाले कृत्य किये जा रहे हैं और समाज मूकदर्शक बना हुआ है, आखिर क्यों ? कब तक सीता, सावित्री, शकुंतला और निर्भया जैसी देवियों को अग्निपरीक्षा देनी होगी और क्यों ? क्या कभी पुरुष को अपनी सच्चाई, अपनी अच्छाई साबित करने के लिए किसी प्रकार की अग्निपरीक्षा देनी पडी..... बिल्कुल नहीं..... । आवश्यकता है वर्तमान समाज की चेतना शक्ति को झकझोरने की, उन्हें जागृत करने की, लौटो अपनी उसी पुरा संस्कृति की ओर जहाँ महिलाओं को महिमा मंडित रूप में प्रतिष्ठित किया गया था समाज को स्वीकारना ही पडेगा-

एक नहीं दो-दो मात्राएं, नर से भारी नारी।

-रीता माथुर

स्नातकोत्तर शिक्षिका (हिन्दी)

## स्वच्छ भारत

### स्वच्छता अभियान :-

स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय मुहिम है जो भारत द्वारा स्थापित की गयी है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 4041 सांविधिक नगरों के सडक, पैदल मार्ग और अन्य कई स्थान आते हैं। यह एक बहुत ही बडा आंदोलन जिसके तहत भारत को 2019 तक पूरी तरह से स्वच्छ बनाना है।

भारत में स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए महात्मा गाँधी जी

के स्वच्छ भारत के सपने को आगे बढाया गया है। स्वच्छ भारत अभियान को 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गाँधी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर शुरू किया गया था और 2 अक्टूबर 2019 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था।

भारत सरकार द्वारा शहरी विकास, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के तहत इस अभियान को ग्रामीण और शहरी दोनो क्षेत्रों में लागू किया गया है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई व्यवस्था की समस्या का समाधान निकालना साथ में सभी को स्वच्छता की सुविधा के निर्माण द्वारा पूरे भारत में मल प्रबंधन करना है।

### स्वच्छता अभियान की आवश्यकता :-

इस उद्देश्य की प्राप्ति तक भारत में स्वच्छता अभियान की कार्यवाही लगातार चलती रहनी चाहिए। भौतिक , मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिए भारत के लोगों में इसका एहसास होना बहुत ही जरूरी है और खुले में शौच करने की प्रवृत्ति को बंद किया जाना भी बहुत जरूरी है।

अस्वास्थ्यकर शौचालयों को पानी से बहने वाले शौचालयों में बदलने की जरूरत है। हाथ से की जाने वाली सफाई व्यवस्था को खत्म किया जाना चाहिए। नगर के कचरे को पुनर्चक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन, वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में वैश्विक जागरूकता का निर्माण करने के लिए और सामान्य लोगों को स्वास्थ्य से जोडने के लिए इसे चलाना बहुत जरूरी है।

इसमें काम करने वाले लोगों के द्वारा स्थानीय स्तर पर कचरे के निष्पादन का नियंत्रण करना और खाका तैयार करने में मदद करना जरूरी है। पूरे भारत में साफ-सफाई की सुविधा को विकसित करने के लिए निजी क्षेत्रों की हिस्सेदारी बढाना जरूरी है। भारत को स्वच्छ और हरियाली युक्त बनाने के लिए यह बहुत आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए भी यह बहुत जरूरी है।

देश की सफाई एकमात्र सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं है।

क्या इसमें नागरिकों की कोई भूमिका नहीं है।

हमें इस मानसिकता को बदलना होगा - .....नरेन्द्र मोदी



मीनल मीना,  
कक्षा- दसवीं

## वर्तमान परिपेक्ष्य में आयकर की महत्ता

कर व्यवस्था किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निर्धारित की गई है जो कि अर्थव्यवस्था में आय और व्यय के बीच सामंजस्य बैठाती है।



भारतीय कर व्यवस्था में दो तरह के कर देते हैं—

1. प्रत्यक्ष कर
2. अप्रत्यक्ष कर

प्रत्यक्ष कर का एक बहुत बड़ा हिस्सा हमें आयकर से प्राप्त होता है और आयकर से प्राप्त हुए कर का निर्धारण और संग्रहण आयकर विभाग के अन्तर्गत आता है।

भारतीय अधिनियम के अनुसार हर व्यक्ति को पिछले वर्ष की कुल आय पर उसके द्वारा दिये जाने वाले आयकर का निर्धारण किया जाता है। आयकर अधिनियम के अनुभाग 14 के अन्तर्गत यह उल्लेखित है कि आयकर के रूप में चुकाए जाने वाले मूल्य और कुल आय की गणना करने के लिए सभी प्रकार की आय अर्थात् वेतन, सम्पत्ति से होने वाली आय, व्यापार या नौकरी में हुआ लाभ, पूंजीगत लाभ, अन्य स्रोतों से होने वाली आय को शामिल करना होगा।

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार उपरोक्त सभी प्रकार की आय को शामिल कर कुल आय की गणना आकलन वर्ष में अप्रैल की पहली तिथि को की जाती है। कराधन प्रक्रिया से संबंधित सभी गतिविधियों की जिम्मेदारी आयकर विभाग की है।

इस प्रकार आयकर विभाग बिना किसी जटिलता के एक बहुत बड़ा हिस्सा सरकार के पास कर एकजुट करके देता है। आयकर का सुनियोजित रूप से लगना और एकत्रित होना आयकर विभाग की जिम्मेदारी है पर यह आम आदमी का भी फर्ज बनता है कि वह अपनी हर प्रकार की आय की जानकारी आयकर विभाग को दे।

आयकर विभाग द्वारा कर प्रक्रिया में कई प्रकार की ऑनलाईन सुविधाएँ भी दी जाती हैं।

आम आदमी जो आयकर देता है उसे इस बात का ज्ञान होना आवश्यक है कि उसके द्वारा दिया गया आयकर उसकी भलाई के लिए काम आता है।

**आयकर :-** सीधे शब्दों में कहें तो आम नागरिक का देश के हर क्षेत्र की व्यवस्थाओं जैसे—

सुरक्षा व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और इसी तरह की मजबूत सुविधाएँ जिनकी हम सरकार से उम्मीद करते हैं उनमें आम आदमी का अप्रत्यक्ष योगदान है।

“ सीधे शब्दों में कहें तो आपका आयकर ही आपकी सरकारी व्यवस्थाओं का आधार है ”

नाम :- कशिश जादौन

कक्षा:- 12

## एपीजे अब्दुल कलाम की कही गई कुछ बातें –

1. प्रकृति को प्यार करो और उसके आशीष का सम्मान करो तभी तुम देवत्व को देख पाओगे।
2. इस पृथ्वी पर, ऊपर आकाश में और धरती के बीच भी, इन सबमें, सबसे सशक्त संसाधन, सक्रिय सचेत युवा मस्तिष्क है।
3. अपनी समस्याओं को स्वयं सुलझाओ, मुश्किलों पर विजय प्राप्त करो।
4. सशक्तीकरण एक भीतरी प्रक्रिया है ईश्वर के अतिरिक्त कोई दूसरा इसे सम्पन्न नहीं कर सकता।
5. संकल्पना से राष्ट्र सम्पन्न होता है।
6. बँनूँ मैं संरक्षक बेसहारों का  
बँनूँ मैं मार्गदर्शक पथिकों का  
बँनूँ मैं सेतु, नौका और पोत  
पानी पार करने के इच्छुकों का।
7. देवदूत अपने ज्ञान के कारण स्वतंत्र है  
पशु अपनी अबोधता के कारण  
इन दोनों के बीच, मनुष्य की संतान संघर्ष करती है।

नाम – अक्षिता दीक्षित

कक्षा – आठवीं अ



### ध्येय वाक्य

1. भारत सरकार – सत्यमेव जयते
2. लोकसभा – धर्मचक्र प्रवर्तनाय
3. उच्चतम न्यायालय – यतो धर्मस्ततो जयः
4. आल इंडिया रेडियो – सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय
5. दूरदर्शन – सत्यम शिवम सुंदरम
6. थल सेना – सेवा अस्माकं धर्मः
7. वायु सेना – नभः स्पृशं दीप्तम्।
8. जल सेना – शं नो वरुणः
9. केन्द्रीय विद्यालय संगठन – तत् त्वं पूषण् अपावृणु।
10. डाक तार विभाग – अहर्निशं सेवामहे।

नाम – उत्कर्ष कौशिक

कक्षा – दसवीं

## सुविचार

यदि आप कोशिश करते हो और कुछ भी हासिल नहीं होता है तो उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। लेकिन यदि आप जरा भी कोशिश नहीं करते और हार जाते हैं तो उसमें पूरी आप ही की गलती है।

शिक्षक और सडक दोनों एक जैसे होते हैं, खुद जहाँ है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं।



## वृन्दावन का यात्रा

पिछले वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश में हम वृन्दावन घूमने गए। वृन्दावन में सबसे पहले हम बॉके बिहारी मंदिर गए। ठाकुर जी के मंदिर के समीप हमने प्रसाद खरीदा और लाईन में लग गए। मंदिर के द्वार खुलने की प्रतीक्षा करने लगे। कुछ देर बाद द्वार खोल दिया गया और हमने मंदिर में प्रवेश किया। कुछ देर बाद गर्भ गृह के दरवाजे से पर्दा हटाया जाता है और बॉके बिहारी जी के श्याम वर्ण की प्रतिमा के मनोहर दर्शन होते हैं। मंदिर में सभी लोग 'बॉके बिहारी लाल की जय' का उद्धघोष करते हैं। इस मंदिर का निर्माण स्वामी हरिदास जी के वंशजों ने करवाया था। श्री बॉके बिहारी जी के दर्शनों के लिए मंदिर का पर्दा हर दो मिनट के अंतराल पर खोला और बंद किया जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी है— "एक बार एक भक्त बॉके बिहारी जी की मूर्ति को एकटक होकर देख रहा था और उसकी भक्ति से वशीभूत होकर ठाकुर जी मंदिर से गायब हो गये थे। पुजारी जी ने जब मंदिर खोला तो उन्हें ठाकुर जी कहीं नहीं दिखाई दिए। बाद में पता चला कि वे अपने एक भक्त के साथ चले गए, तभी से यह नियम बना दिया गया"।

बॉके बिहारी जी के मंदिर में प्रसाद चढाकर हम प्रेम मंदिर की ओर चल पडे। प्रेम मंदिर एक आधुनिक मंदिर है जिसमें विद्युत स्वचालित झांकिया और संगीतमय फब्बारे लगाये गये हैं। प्रेम मंदिर बहुत साफ—सुथरा और सुंदर था। यात्रियों की सुविधा हेतु मंदिर परिसर में भोजनालय और आधुनिक शौचालय की भी व्यवस्था की गयी है। मंदिर की इमारत को सुंदर कलाकृति से इसे दिव्य और भव्य रूप दिया गया है। शाम के करीब छः बजे या अंधेरा हो जाने पर यह मंदिर रंगीन रोशनी से चारों तरफ से जगमगाता रहता है। फिर हम मंदिर के अंदर गए। अंदर से मंदिर बहुत ही खूबसूरत ढंग से सजाया हुआ था। मंदिर के बीचो बीच छत से लगा हुआ एक बड़ा झूमर था जो यहाँ का मुख्य आकर्षण बना हुआ था। श्री राधा कृष्ण की मूर्ति बहुत ही प्यारी और सुंदर लग रही थी। हम सभी ने भगवान के दर्शन किए और फिर हम अपने घर की ओर चल पडे। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति को यह अद्भुत प्रेम मंदिर जरूर देखना चाहिए।

## कविता संग्रह

### वक्त नहीं

हर खुशी है लोगो के दामन में,  
पर एक हँसी के लिए वक्त नहीं।  
दिन रात दौडती दुनिया में,  
जिंदगी के लिए ही वक्त नहीं।  
माँ की लोरी का एहसास तो है,  
पर माँ को माँ कहने का वक्त नहीं।  
सारे रिश्तों को तो हम मार चुके,  
अब उन्हे दफनाने का भी वक्त नहीं।  
सारे नाम मोबाईल में हैं,  
पर दोस्ती के लिए वक्त नहीं।  
आँखों में नींद नहीं बढी,  
पर सोने का वक्त नहीं।  
पराये एहसासों की क्या कदर करें,  
जब अपने सपनों के लिए ही वक्त नहीं।

### लाल टमाटर

लाल टमाटर – लाल टमाटर  
मैं तो तुमको खाऊँगा  
रुक जाओ मैं थोडे दिन में  
और बडा हो जाऊँगा।

लाल टमाटर – लाल टमाटर  
मुझको भूख लगी भारी  
भूख लगी है तो तुम खा लो  
ये गाजर मूली सारी

लाल टमाटर – लाल टमाटर  
मुझको तो तुम भाते हो  
जो तुमको भाता है भैया  
उसको क्यों खा जाते हो

लाल टमाटर – लाल टमाटर  
अच्छा तुम्हे न खाऊँगा  
मगर तोडकर इस डाली से  
अपने घर ले जाऊँगा।

नाम – रिकू गुर्जर  
कक्षा— प्रथम ब

### स्मरण योग्य बातें

सदा सेवन करने योग्य चार चीजें – संतोष, सत्संग, दान, दया  
आदमी के बिगडने की चार अवस्थाएँ – जवानी, धन, अधिकार, अविवेक।  
भाग्य से मिलने वाली चार चीजें – भगवान को याद रखने की लगन,  
संतो की संगति, चरित्र की निर्मलता, उदारता।  
स्मरणीय बातें – बडों का आदर करना, छोटों की रक्षा करना,  
बुद्धिमानों से सलाह लेना, मूर्खों से कभी ना उलझना।

– पूनम कुमारी

कक्षा – नवमी अ



सूर्य तो फिर उगेगा,  
धूप तो फिर भी खिलेगी  
लेकिन मेरी बगीची की  
हरी-भरी दूब पर,  
ओस की बूंद  
हर मौसम में नहीं मिलेगी।

नाम – धर्मेश मीना

कक्षा – 5 अ

### कदम मिलाकर चलना होगा

बाधाएँ आती हैं आएँ  
घिरे प्रलय की घोर घटाएँ  
पाँवों के नीचे अंगारे  
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ  
निज हाथों में हँसते-हँसते  
आग जलाकर जलना होगा  
कदम मिलाकर चलना होगा।

नाम – मन्हा सैयद

कक्षा – 5 अ

क्या हार में, क्या जीत में  
किंचित नहीं भयभीत में  
कर्त्तव्य नहीं भयभीत में  
कर्त्तव्य पथ पर जो भी मिला  
यह भी सही वो भी सही  
वरदान नहीं मांगूंगा  
हो कुछ पर हार नहीं मानूंगा।

नाम – सौरभ मीना

कक्षा – 5 अ

### बेटी का अधिकार

मत फैलाओ ये भ्रष्टाचार  
दो मुझको जीने का अधिकार  
क्यों माँगो तुम बेटा हर बार  
क्यों न चाहो बेटी एक बार  
क्या है ये सिर्फ बेटों का संसार  
क्यों न आए बेटी एक बार  
भ्रूण हत्या के अनेक समाचार  
रंगा देश का हर अखबार  
होती मानवता इससे शर्मसार  
जीवदान मांगती बेटी हाथ-पसार  
दो मुझको जीने का अधिकार  
अब ना सहूंगी मैं ये अत्याचार  
अब आऊंगी मैं इस संसार के द्वार  
दो मुझको जीने का अधिकार।

नाम – एकता मीना

कक्षा – आठवीं अ

## माँ मुझे आँचल में छुपा लो

माँ मुझे आँचल में छुपा लो  
माँ मुझे लगता है  
इस दुनिया में कोई किसी का नहीं  
सिर्फ और सिर्फ आपके अलावा  
माँ तुम ही हो जो अपने बच्चों के सब दुख जानती हो  
शायद भगवान ने भी यह सोचा होगा कि मैं सब  
के पास न आ पाऊँ तो उसने माँ बनाई।  
सुनो माँ मुझे इस दुनिया से बहुत डर लगता है  
यह दुनिया पूरी दिखावटी है  
तू ही है माँ जिसने पकड़ मुझे चलना सिखाया  
बाँहों के झूले में तूने झुलाया  
तूने हैं समझाया क्या अच्छा क्या बुरा है  
इस जहाँ में  
लेकिन जो भी है ये बडा ही खूबसूरत तेरा मेरा संगम है माँ  
मैंने भगवान को नहीं देखा है माँ लेकिन तू ही मेरी भगवान है माँ  
जिसने मुझे इस दुनिया में लायी तू उस भगवान की  
पहचान है माँ  
तू है तो मैं हूँ और तू है तो ये संसार भी है माँ  
शुक्रिया तेरा इस जहाँ में मुझे लाने के लिए और  
मेरी पहचान दिलाने के लिए।

नाम – चारु चतुर्वेदी

कक्षा – ग्यारहवीं

### **पहेलिया**

1. ऐसी कौन सी चीज है जिसे आदमी छिपाकर लेकिन औरतें दिखाकर चलती है?  
जबाब – पर्स
2. जब मैं कपडे उतारता हूँ तब आप कपडे पहनते हैं और जब आप कपडे उतारते हैं तो मैं कपडे पहनता हूँ बताओ मैं कौन हूँ?  
जबाब – क्लॉथ हैंगर
3. गाय दूध देती है और मुर्गी अंडा देती है तो बताओ ऐसा कौन है जो दूध अंडा दोनो देता है?

जबाब – दुकानदार

नाम – भानु शर्मा, कक्षा-6 ब



## बनो तो ऐसे

कर्ण जैसे दानवीर, हरिश्चन्द्र जैसे सत्यवादी  
अर्जुन जैसे पराक्रमी, हनुमान जैसे सेवक  
राम जैसे आज्ञाकारी, भगत सिंह जैसे देशभक्त  
लक्ष्मण जैसे भाई, शिवाजी जैसे क्षत्रिय  
श्रवण कुमार जैसे मातृ-पितृ भक्त,  
एकलव्य जैसे शिष्य।

नाम — पूनम कुमारी  
कक्षा — नवमीं अ

## अपना हिन्दुस्तान

तीन रंग का नही वस्त्र, ये ध्वज देश की शान हैं,  
हर भारतीय के दिलों का स्वाभिमान है।  
यही हैं गंगा, यही है हिमालय,  
यही हिन्द की जान हैं,  
और तीन रंगों में रंगा हुआ ये अपना हिन्दुस्तान  
है।

नाम — रियांशी गोयल  
कक्षा — 5 अ

## अभी उम्मीद बाकी है

अँधेरी रात में तब से मेरे घर में उजाला है  
मेरी झोली में जब से सास ने इक चाँद डाला है  
खुशी से दिल हमारा आज मीरा होने वाला है  
झुकी खेतों के ऊपर स्यामवर्णि मेघमाला है  
हिना का रंग उनके हाथ पे यू ही नहीं महका  
सुबह से शाम तक हमने रसोई घर संभाला है  
हमे भी दाखिला देदो सबक हम भी जरा पढ ले  
सुना है आपका दिल प्यार की एक पाठशाला है  
वजीफ़ा कोन देता है हमे हम गाँव वाले है  
हमारा इल्फ केवल ढाई आखर वर्णमाल है  
अभी भूमाफिया की बदनज़र से दूर है हलधर  
तुम्हार खेत औ खलिहान तू तकदीर वाला है

ध्रुव सिंह मीना

अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

## सुविचार

सच है, अल्पज्ञान खतरनाक है, पर फिर  
भी यह पूर्ण रूप से अज्ञानी होने से बेहतर  
हैं।

— अबीगेल वैन बरेन

## सुविचार

जब आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, आप एक औरत को  
शिक्षित करते हैं तो आप एक पूरी पीढ़ी को शिक्षित करते हैं।

— ब्रिघम यंग

## ऐ मेरे वतन के लोगो .....

(i) टुकड़ों—टुकड़ों से जिन्हे हिन्दुस्तान बना दिया,  
अपना लहु वहा के आज हमें करा दिया  
कभी सोचा है क्या बीती जिस माँ ने वीर गँवाया था,  
क्या बीती उस बहन पे भाई जिसने खोया था,  
दिल को थाम लिया उन्होने साँस खुल के जो लेनी थी,  
मन को सँभाल लिया उन्होने आजादी हमें जो पानी थी ।।

“ ऐ... वतन के लोगो जरा याद करो कुर्बानी,  
जो हुए शहीद उनकी जरा याद करो कुर्बानी ।

(ii) भूल गया ये जमाना वीर गति को जो उतरे,  
याद रह गए वो नेता जिन्होने कलम चलाई थी,  
नींव वन गए वीर यहाँ, याद रह गए यहाँ नेता,  
ये जमाना देखो, लहू का नही यारों,  
मोल स्याही का है बडा ।।

“ ऐ... वतन के लोगो जरा याद करो कुर्बानी,  
जो हुए शहीद उनकी जरा याद करो कुर्बानी ।

(iii) कल का जमाना देखो गोली पे मर गए कई,  
नारी जूझ रही है क्या शक्ति खो गई आज यहाँ,  
रानी लक्ष्मी, कल्पना चावला में भी यहाँ की नारी थी  
आजादी न झुकी , उनको ये हम सब की मूल धरा,  
चन्द्रमा नही बनो नारी जो सबकी नजर तूम पे पडे  
वन जाओ सूरज एक दिन जो देखे ही नजर झुके ।

“ ऐ... वतन के लोगो जरा याद करो कुर्बानी,  
जो हुए शहीद उनकी जरा याद करो कुर्बानी ।

नाम — अमित जैतवाल  
कक्षा— ग्यारहवीं ।



## एक सैनिक का दर्द

1. साथी घर जाकर मत कहना, संकेतो में बतला देना ।  
यदि हाल मेरी माता पूछे तो, जलता दीप बुझा देना ।  
इतने पर भी न समझे तो दो आँसू तुम छलका देना ॥
2. यदि हाल मेरी बहना पूछे तो, सूनी कलाई दिखला देना ।  
इतने पर भी न समझे तो , राखी तोड दिखा देना ॥
3. यदि हाल मेरी पत्नी पूछे तो, मांग का सिंदूर मिटा देना ।  
इतने पर भी न समझे तो, मस्तक तुम झुका देना ।
4. यदि हाल मेरे पापा पूछे तो, हाथों को सहला देना ।  
इतने पर भी न समझे तो, लाठी तोड दिखा देना ॥
5. यदि हाल मेरा बेटा पूछे तो, सर उसका सहला देना ।  
इतने पर भी न समझे तो, सीने से उसको लगा लेना ॥
6. यदि हाल मेरा भाई पूछे तो, खाली राह दिखा देना ।  
इतने पर भी न समझे तो, सैनिक धर्म बता देना ॥

नाम— मनीषा विश्नोई  
कक्षा — दसवीं

## संदेश

राजनीतिक विचारधारा और आम जीवन से ऊपर उठकर केवल सरहद की रक्षा का लक्ष्य बनाने वाले जवानों को सलाम । आपका जीवन अनुकरणीय है ।

## एषा मम धन्या माता

एषा मम धन्या माता ।  
एषा मम धन्या माता ।  
या मां प्रातः शरूयातः  
जागरयति संबोधयति ।  
हरिस्मरणं या कारयति  
आलस्यं मम नाशयति ॥

एषा मम.....

कुरु सुत पाठभ्यासं त्वं ।  
आदेशं ददति एवं योजयते कार्ये नित्यम् ॥

एषा मम्.....

मधुरं दुग्धं ददाति या । यच्छति मह्यं लवणात्राम्  
कार्यं सम्यक् न करोमि यदा, अपराधं विद्धामि  
कलहं कुर्वन् रोदिमि यदा ।

तदा भ्रशं मां तर्जयति या ॥

एषा मम .....

नाम — कनिष्का मीना  
कक्षा — आठवीं अ

## जिन्दगी है छोटी

जिंदगी है छोटी, हर पल में खुश हूँ  
गम में खुश हूँ, आराम में खुश हूँ  
आज पनीर नहीं, दाल में ही खुश हूँ  
आज गाड़ी नहीं, पैदल ही खुश हूँ  
हंसता हुआ बीत रहा है पल आज में ही खुश हूँ  
जिंदगी है छोटी, हर पल में खुश हूँ  
जो मेरी बात ने दिल को छुआ  
तो जबाव देना  
वरना बिना जबाव के भी खुश हूँ ।

नाम — कामिनी  
कक्षा — आठवीं अ

## कविता

नमन करता हूँ उन सूरज  
की किरणों को मैं, जिन्होंने  
इस धरा को रोशन किया ।  
नमन है उन नदियों,  
झरनों को मेरा, जिन्होंने  
इस धरती को सिंचित किया ।  
नमन करता हूँ इन पेड़-पौधों  
को मैं, जिन्होंने मानव  
को बहुमूल्य जीवन दिया ।  
नमन उन वीर जवानों  
को मेरा, जिन्होंने मातृ-भूमि  
के लिए बलिदान दिया ।  
नमन उन बारिश की  
फुहारों को मेरा, जिन्होंने  
हमारे हृदय को पुलकित किया ।  
नमन करता हूँ मैं उन  
चाँद, तारों को, जिन्होंने  
इस जमीं को प्रकाशित किया ।  
शत्-शत् नमन तुमको,  
ओ मानव का सृजन करने  
वाले, जो तुमने कण-कण में  
निवास किया ।

नाम — कोमल विश्नोई

कक्षा— 6 अ





## बहुत बुरी है – पॉलिथीन

धरा, अम्बु , नभ दूषित करती

बहुत बुरी है पॉलिथीन।

जहाँ तहाँ उड़ती ही रहती

सैंकड़ों बरस न होती क्षीण।

धरा गर्भ में जब यह जाती

उर्वरता लेती उसकी छीन।

ताल तलैया का बहाव भी

इससे हो जाता है दीन।

अगर जलाएँ इसको हम तो

जहर हवा में करती लीन।

पशु पक्षी जा खाए इसको

प्राणो से हो जाते विहिन।

करें इसका उपयोग बन्द हम

ले रही हमारी खुशियाँ छीन।

हर घर में अधिकार जमा चुकी

इसे करें अब प्रकृति से विलीन।

कागज व कपड़े के थैले अपनाएँ

खुशियाँ करें हम अपने अधीन।

जल, थल बचायें हम इससे

पर्यावरण को करें रंगीन।

अमित कुमार जैन

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (गणित)



## स्वच्छता गान

मन की सफाई जरूरी है, तन की सफाई जरूरी है,

मन की सफाई जरूरी है, तन की सफाई जरूरी है,

घर की सफाई से पहले, गलियों की सफाई जरूरी है।

साफ सफाई वाले ही जीवन में खुशियाँ पाते,

सारी दुनिया को अपने जीवन के राज बताते,

धरती की सफाई से पहले, अम्बर की सफाई जरूरी है।

घर की सफाई से पहले, गलियों की सफाई जरूरी है।

तन्दुरुस्ती की पहली सीढ़ी साफ सफाई रखना,

साफ सफाई वाले ने ही है मीठा फल चखना,

स्कूल की सफाई से पहले, पुस्तक की सफाई जरूरी है।

नाम—मनस्वी जादौन

कक्षा — 5 अ

## वस्तुस्थिति

मंत्री जी हेलिकॉप्टर से  
इलाके में आई बाढ़ को निरीक्षण कर रहे थे  
मेरे ख्याल से निरीक्षण कम  
प्राकृतिक सौन्दर्य का अवलोकन ज्यादा कर रहे थे  
यह भी लगता अवलोकन कम  
हवाई यात्रा का लुत्फ ज्यादा उठा रहे थे  
यह सोचते सोचते देखा मेने वे मंद मंद मुस्काए भी जा रहे थे  
रहा ना गया तो पूछा उनसे  
मंत्रीवर ! किन हँसी ख्यालों में खोए जा रहे थे  
हमारा ख्याल था कि वे हमेशा की तरह दो शब्द कहने जा रहे थे  
बोले पिछले कई दिनों से  
हम जनता को मिलने को बताब हुए जा रहे थे  
उनके वोटो का मोल चुकाने के मौके की तलाश किए जा रहे थे  
बाढ़ ने मौका दिया हमको  
सो मन ही मन इन्द्र को प्रणाम किए जा रहे थे  
याद आया तब हमको  
मंत्री जी तो बहुत दूर की सोचे जा रहे थे  
वस्तुस्थिति यह थी कि  
निकट भविष्य में चुनाव होने जा रहे थे  
तभी वे बाढ़ पीडित सहायतयार्थ  
आई राशि को किनारे लगाने की सोचे जा रहे थे ।

—संकलित

अमित कुमार जैन

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (गणित)

## ज़िंदगी

कल एक झलक ज़िंदगी को देखा,  
वो राहो पे मेरी गुनगुना रही थी।  
फिर ढूँढा उसे इधर उधर  
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी।  
एक अरसे के बाद आया मुझे करार,  
वो सहला के मुझे सुला रही थी।  
हम दोनों क्यूँ खफा है एक दूसरे से,  
मे उसे ओर वो मुझे समझा रही थी।  
मेने पूछ लिया - क्यो इतना दर्द दिया  
कमबख्त तूने  
वो हँसी और बोली - मे ज़िंदगी हूँ पगली  
तुझे जीना सिखा रही थी।

अंजली गर्ग

## सुविचार

शिक्षा के द्वारा ही समाज का विकास होता है। तथा एक शिक्षित समाज ही मनुष्य को विकसित होने के लिए प्रेरित करता है।

एक शिक्षित व्यक्ति वह नहीं जो स्कूल एवं कॉलेज गया है अपितु अधिक शिक्षित व्यक्ति वह है जो यह जानता है कि समय, स्थिति और साधनों के अनुसार सही और गलत का चुनाव करते हुये निर्णय कैसे लेना है।

## समय

समय चला, पर कैसे चला,  
पता ही नहीं चला,  
जिन्दगी की आपाधापी में  
कब निकली उम्र हमारी यारों,  
पता ही नहीं चला,  
कंधे पर चढ़ने वाले बच्चे,  
कब कंधे तक आ गए,  
पता ही नहीं चला,  
किराये के घर से शुरू हुआ सफर अपना,  
कब अपने घर तक आ गए,  
पता ही नहीं चला,  
साईकिल के पेडल मारते हुए  
हॉफते थे उस वक्त,  
कब से हम कारों में घूमने लगे है,  
पता ही नहीं चला,  
कभी थे जिम्मेदारी हम माँ – बाप की,  
कब बच्चों के लिए हुए जिम्मेदार हम  
पता ही नहीं चला,  
एक दौर था जब दिन में भी  
बेखबर सो जाते थे,  
कब रातों की उड गई नींद  
पता ही नहीं चला,

जिन काले घने बालों पर  
इतराते थे कभी हम,  
कब सफेद होना शुरू हो गए  
पता ही नहीं चला,  
दर दर भटके थे नौकरी की खातिर,  
कब रिटायर हो गए समय का,  
पता ही नहीं चला,  
बच्चों के लिए कमाने बचाने मे  
इतने मशगूल हुए हम,  
कब बच्चे हमसे हुए दूर,  
पता ही नहीं चला,  
भरे पूरे परिवार से सीना चौड़ा रखते थे हम,  
अपने भाइ बहनों पर गुमान था,  
उन सबका साथ छूट गया,  
कब परिवार हम दो पर सिमट गया,  
पता ही नहीं चला,  
अब सोच रहे थे अपने  
लिए भी कुछ करें,  
पर शरीर ने साथ देना बंद कर दिया  
पता ही नहीं चला।

सार्थक शर्मा  
कक्षा- 10 वीं

## अभिज्ञान शाकुन्तलम् श्लोकः

यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया, कंठः स्तम्भित वाष्पवृत्ति कलुष- शिचताजडं दर्शनम् ।  
वैकलवयं मम तवदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनया विश्लेषदुःखैर्नवैः ।

अर्थात्

कण्व मुनि कहते हैं कि आज शकुन्तला चली जायेगी अतः हृदय दुख से भर गया है कण्ठ अश्रु प्रवाह रोकने के कारण गद्गद हो गया है। दृष्टि निश्चेष्ट हो गई है। मुझ वनवासी की शकुन्तला के प्रति स्नेह के कारण यदि ऐसी विकलता है तो गृहस्थ लोग अपनी पुत्री के वियोग के दुख से कितने दुखी होते होंगे।

नाम – अनुष्का मीना  
कक्षा – आठवी अ

## एक भारत - श्रेष्ठ भारत (EBSB)



### केंद्रीय विद्यालय करौली में एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ-

केंद्रीय विद्यालय करौली में एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक माह में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जिसमें संबंधित राज्य- आन्ध्र प्रदेश में बोले जाने वाली भाषा तेलुगु , रहन सहन, कला- चित्रकला , गायन आदि के बारे में कार्यक्रमों के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया जिससे विद्यार्थी संबंधित राज्य आन्ध्र प्रदेश की भाषा, वहां के रहन सहन, वहां की कला, चित्र कला , गायन शैली के बारे में रुचि दिखाते हुए सीखने की कोशिश की तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने में अहम् भूमिका निभाई!

केंद्रीय विद्यालय करौली में निम्न गतिविधियों का आयोजन-

समूह गायन

एकल गायन

स्वच्छता की शपथ

सम्बंधित राज्य की भाषा का वाचन एवं अनुवाद,

चित्रकला

सम्बंधित राज्य की भाषा में समाचार वाचन





**COMMUNITY SONG SINGING BY KV KARALI STUDENTS UNDER**



**Identification/ Translation & Dissemination of similar proverb in the language of the partnering state - ANDRA PRADESH BT KV STUDENTS**



**Pledge on Swachhata in the language of the partnering state - ANDRA PRADESH**



OPPO A5 2020 · ©KV Karauli

**TRADITIONAL PAINTING BY KV KARALI STUDENTS FOR THE PERTAINING STATE- ANDRA PRADESH**



OPPO A5 2020 · ©KV Karauli

**TRADITIONAL PAINTING BY KV KARALI STUDENTS FOR THE PERTAINING STATE ANDRA PRADESH**





Talking Hour - News in the language of Andhra Pradesh (Pertaining State) by KV Karauli Students



Folk Song in the Pertaining State- Andhra Pradesh by Komal Vishnoi, Student of KV Karauli



Identification / Translation and Dissemination of similar proverbs in the pertaining state- Andhra Pradesh by Students of KV Karauli



TRADITIONAL PAINTING BY KV KARALI STUDENTS OF PERTAINING STATE- ANDRA PRADESH



# School Photo Gallery







Vivo V11Pro  
AI Dual Camera

2019/09/07 13:00









# TEACHER

A teacher is the person who shapes the future of everyone by providing best education to his/her students. Teacher plays a great role in education of every student. A good teacher has many qualities and fully able make his/ her students successful in life.

A teacher is very intelligent and know well that how to draw attention of students towards study. She/he uses creativity while teaching students so that students may concentrate. Teacher is a good conductor of knowledge having lots of patience and confidence who takes responsibility for the future of students. Teacher knows the ability of each and every student and tries for them accordingly.

ABHINESH MEENA  
CLASS:10

## Education

- Education is the most powerful weapons which you can use to change the work
- A child without education is like a bird without wings
- Education is all a matter of building bridges
- Education is not preparation for life but education is life itself.

# LEARNING IS BEGINING FROM BIRTH TO DEATH

- Education is the most important source that makes a person to a valuable citizen.
- According to the Indian culture, the role of education is in his/her culture development for his/her family life, because school life and social life that should be counted as an education.
- One person starts to learn from its birth itself.
- When a child is in womb of mother, he/she begins to learn.
- Most important thing to a child is that he/she began to learn from his/her home itself.
- The main things are by which a child gets influence in his/her education are
  1. Family and friends
  2. School

-Graeeson J.sajan  
Class - XI

## TEACHER STANDS FOR

T- TERRIFIC

E- ENERGETIC

A-ABLE

C-CHEERFUL

H-HARDWORKING

E-ENTHUSIASTIC

R-REMARKABLE

## STUDENT STANDS FOR

S-SENSITIVE

T-THOUGHTFUL

U-UNDERSTANDING

D-DESIROUS

E-EFFORTFULL

N-NORMAL

T-TALENTED

Mehul Sharma  
Class - X



## MOTHER

MOTHER IS OUR LIFE  
MOTHER IS OUR WELL- WISHER  
WITHOUT MOTHER ,  
OUR LIFE IS SILENT ,  
WITHOUT (MOTHER)  
MOTHER BECOME OTHER ,  
AND MOTHER IS NOT OTHER ,  
SHE IS ALWAYS OUR .  
SHE IS ALWAYS OUR.

VIKAS SINGH AND KARTIK MEENA

## THE LITTLE PLANT

In the heart of a seed  
Buried deep so deep  
A tiny plant  
Lay fast asleep  
“wake” said the sunshine  
“and creep to the light  
“wake said the voice  
Of the raindrops bright  
The little plant heard  
And it rose to see  
What the wonderful  
Outside world might be

Made – Sameer khan

## Statue of unity

The Statue of Unity is a colossal statue of Indian Statesman and independence activist Sardar Vallabhbhai Patel (1875–1950), who was the First Home minister of independent India and The chief adherent of Mahatma Gandhi during



The non-violent Indian Independence movement. He was highly respected for his leadership in uniting the 552 princely states of India to form the single Union of India. It is located in the state of Gujarat, India. It is the world's tallest statue with a height of 182 metres. It is located on a river island facing the Sardar Sarovar Dam on river Narmada in Kevadiya colony, 100 kilometres (62 mi) southeast of the city of Vadodara and 150km from Surat.

The project was first announced in 2010 and the construction of the statue started in October 2013 by Larsen & Toubro, who received the contract for 2,989 crore (US\$420 million) from Government of Gujarat. It was designed by Indian sculptor Ram V. Sutar, and was inaugurated by Indian Prime Minister Narendra Modi on 31 October 2018, the 143rd anniversary of Patel's birth.

Rehan khan  
class : 5 B

# “Thoughts”

- Success is the sum of small effort repeated often day in & day out.
- To success in your mission you must have Single - minded deviation to your goal.
- Kill the tension because tension kills you.
- Reach your goal before goal kicks you.
- Live life before life leaves you
- Life is not about failing its about getting backup every time you fall.

## MOTIVATIONAL THOUGHTS

“life laugh at you,  
When you are unhappy.  
Life smiles at you when,  
You are happy.  
Life salutes you when  
You make others happy;

Every successful person  
Has a painful story,  
Every painful story has a  
Successful ending  
Accept the pain and get ready  
For success;

If problem can be  
Solved no need to  
Worry about it,  
If a problem cannot be  
Solved what is the use  
Of worrying.....?  
If you miss an  
Opportunity don't fill the  
Eyes with tears

- Anjali Garg  
CLASS - X

## Indian Army

It takes but one positive thought  
when give a  
chance to survive and  
thrive to overpower an  
entire army of negative  
thought.

You have never lived until  
You have almost died,  
And for those who choose to fight.  
Life has a special flavor,  
The protected will never know!!!

Vikas Singh  
Class12

## JOKE

POLICE: WHERE DO YOU LIVE?  
KID: WITH MY PARENTS  
POLICE: WHERE DO YOUR PARENTS LIVE?  
KID: WITH ME  
POLICE: WHERE DO YOU ALL LIVE?  
KID: TOGETHER  
POLICE: WHERE IS YOUR HOUSE?  
KID: NEXT TO MY NEIGHBOUR'S HOUSE  
POLICE: WHERE IS YOUR NEIGHBOUR'S HOUSE?  
KID: IF I TELL YOU, YOU WON'T BELIEVE ME  
POLICE: TELL ME  
KID: NEXT TO MY HOUSE

MAYANK MEENA



## MATHS

YOU FIRST REMOVE THE BRACKETS  
AND THEN YOU MUST DIVIDE  
YOU LEARN ALL ABOUT SOME SETS  
AND THEN EQUATE THE LEFT HAND SIDE!  
EACH FRACTION YOU CAREFULLY CROSS MULTIPLY  
BUT THE ANSWER DOES REALLY MAKE YOU SIGH  
AND SIN THE COS AND TAN AND COT  
ARE REALLY CONFUSING A LOT!  
TO LEARN THE FULL GEOMETRY  
IS LIKE REALLY MAKING A SPANISH POETRY  
AND CUBES AND SQUARE AND THEOREM TOO.  
ALL REMEMBERED WE DO LEFT AND RIGHT  
BUT DESPITE WHATEVER WE DO LEFT AND RIGHT,  
WE ENJOY AND LEARN MATHS ALL NIGHT.

KANISHKA MEENA  
CLASS : 8 A

## Poem

The kindness of others  
is all they ever wanted,  
the laughter of neighbors  
Prospering in the blue light of summer.

Those of the small sputtering flame  
and the sudden white sprung hair,  
Who feed off envy and grow old  
quickly,  
Desire largesse.

Kartik Meena  
Class- X

## THOUGHT

Clear heart is the real,  
beauty of life.  
A smile is the best ,  
makeup any girl can wear.  
Hope is the heart beat  
of the soul.  
Education is the key to unlock,  
the golden door of freedom.  
Every positive thought is the silent  
prayer which will change your life.  
Learn to be alone because,  
no will stay.  
Our life is what  
Our thought make it.

Poonam Kumari

## Amazing fact

- Your eyes produce sounds of their own that are normally in available to the brain
- It takes 10 pounds of milk to make 1 pound of cheese
- Male bees cannot sting
- Queen Elizabeth is the great, great, great grand daughter of queen Victoria
- The dots of dice are called pips
- Elephant cannot jump
- Kangaroos cannot jump backward

Anushka Sharma

## Importance of E-Governance in Education System

Electronic governance or e-governance is the application of information and communication technology (ICT) for delivering government services, exchange of information, communication transactions, integration of various stand-alone systems and services between government-to-customer (G2C), government-to-business (G2B).

In short we can say that E- governance is nothing but a service that act as a medium of exchange of information, transactions and services.

### Benefits of E-governance:

1. Speed – Technology makes communication speedier. Internet, Phones, Cell Phones have reduced the time taken in normal communication.
2. Cost Reduction – Most of the Government expenditure is appropriated towards the cost of stationary. Paper-based communication needs lots of stationary, printers, computers, etc. which calls for continuous heavy expenditure.
3. Transparency – Use of ICT makes governing profess transparent. All the information of the Government would be made available on the internet. The citizens can see the information whenever they want to see. But this is only possible when every piece of information of the Government is uploaded on the internet and is available for the public to peruse. Current governing process leaves many ways to conceal the information from all the people. ICT helps make the information available online eliminating all the possibilities of concealing of information.
4. Accountability – Once the governing process is made transparent the Government is automatically made accountable. Accountability is answerability of the Government to the people. It is the answerability for the deeds of the Government. An accountable Government is a responsible Government.

### Benefits of e-Governance in Education:

The benefits of e-governance in an educational sector are improved efficiency, increase in transparency and accountability of educational administrative activities convenient and faster access to services, and lower costs for administrative services. The multi-faceted benefits of e-governance can be described as under these points

Benefits to students

- (i) Increase participation in education affairs
- (ii) Personalized login for each students
- (iii) Extensive saving in time cost & efforts
- (iv) Information & transaction services
- (v) Job opportunities
- (vi) Social connectivity for collaboration
- (vii) Students can access virtual lectures & Seminars.
- (viii) Students can solve their problems like- examination queries, result verification etc.

- Neeraj Sharma  
Computer Instructor



## AIR POLLUTION

Air pollution mostly occurs in industrial towns in India and abroad. While technological developments and industrialization have led for creation of wealth and prosperity, it has also caused a massive pollution of the environment. The harmful burning of fuels such as coal and petroleum in some major industries like automobile, electrical power plants, etc., cause air pollution. Smoke emitted from factories and houses and pollute the atmosphere. Excessive smoke and fumes have a very bad effect on plants, animals and human beings.

About 50 per cent of the air pollution is primarily due to the rapid industrialization that has taken place in the 20th century. Automobiles greatly pollute the atmosphere. Fumes from different types of motor vehicles cause respiratory diseases like asthma and bronchitis.

The problem caused by air pollution is worldwide. It contaminates the atmosphere, damages buildings and historical monuments, harms the health of the people, and causes respiratory diseases and increases gases like carbon dioxide in the atmosphere.

Nuclear plants are also a major threat. There is the risk of radioactive leaks. Nuclear tests also pollute the air and lead to the warming of the earth's atmosphere. The melting of ice-caps at the poles is causing a rise in the sea level and flooding.

- Aatif Khan  
Class- X

# GLOBAL WARMING

Global warming is the big environmental issue we are facing today as a greatest challenge which we need to get solve it permanently. In fact, global warming is the continuous and steady process of increasing in the temperature of earth surface. It needs to be discussed widely by all countries worldwide to stop the effects of it. It has impacted the nature's balance, biodiversity and climatic conditions of the earth over decades.

Green house gases like CO<sub>2</sub>, Methane are the main reasons of increasing the global warming on the earth which directly impacts the rising sea levels, melting ice caps, glaciers, unexpected changing climate which represents life threats on the earth. According to the statistic, it has been estimated that earth temperature has increased to a great level since mid 20<sup>th</sup> century due to the increased atmospheric greenhouse gas concentrations globally because of the increased demand of the human living standard.

It has been measured that year like 1983, 1987, 1988, 1989 and 1991 as the warmest six years of the past century. This increasing global warming calls the unexpected disasters on the earth like flood, cyclones, tsunami, drought, landslides, ice melting, lack of food, epidemic diseases, death etc thus causing

imbalance to the nature's phenomenon and indicating end of life existence on this planet.

Increasing global warming lead to the more



water evaporation from earth into the atmosphere, which in turn become a greenhouse gas and again causes rise in the global warming. Other processes like burning of fossil fuels, use of fertilizers, rise in other gases like CFCs, tropospheric ozone and nitrous oxide are also the reasons of global warming. The ultimate causes of such reasons are the technological advancement, population explosion, increasing demand of industrial expansion, deforestation, priority towards urbanization, etc.

We are disturbing the natural processes through the deforestation and use of technological advancement like global carbon cycle, making hole in ozone layer, etc and allowing the UV rays to come on earth thus increasing global warming. Plants are the ultimate source of removing extra carbon dioxide from the air and making it in balance thus by just stopping the deforestation and enhancing people for more plantation we can get success of reducing the global warming to a great level. Controlling the population growth is also a great hand towards reducing the global warming all through the world as it lessons the use of destructive technologies on the earth.

– Sameer khan

CLASS - X

## Jhansi ki Rani Jhalkaribai

Born on November 22, 1830, Jhalkari, was born to Sadoba Singh and Jamuna Devi in Bhojla village near Jhansi. The only child to her parents, her father had to raise her as a single parent when her mother passed away unexpectedly when Jhalkari was still very young.



Since the family was poor and part of the Kori caste, she didn't have the opportunity to go to school and get a formal education. However, right since her childhood she was taught to wield a weapon skillfully and given horseback-riding lessons.

Tales of her bravery continue to be told in various households in Jhansi. It is said that once when dacoits tried to raid the house of a businessman living in the village, it was Jhalkari who single-handedly drove them away. She is also said to have killed a tiger with her axe when the animal tried attacking her once in the jungle.

**There is also a popular tale about how she once took on a leopard (again in the jungle) with just a stick.**

Jhalkari may have never met Rani Laxmibai had it not been for her betrothal to Puran Singh, a soldier in the queen's army. Said to be a soldier of great caliber, his skills were quickly recognised by the generals in the court. And it was also around this time that the fateful meeting between Jhalkaribai and the warrior queen would take place. During Gauri Puja, Jhalkari went to the fort along with a number of women from the village. It was there that the legendary 'Jhansi ki Rani' spotted her. And she was taken aback by the uncanny resemblance she shared with Jhalkari, and inquired about her immediately. When the queen was briefed on Jhalkari's brave acts, she was quickly inducted into the women's wing of the army. Here she was trained to shoot and ignite cannons as the army was preparing for a British invasion.

RamsinghMahawar

PGT (Biology)

## Thoughts

Our greatest weakness lies in giving up. The most certain way to succeed is always to try just one more time.

Thomas A. Edison



## THE LANGUAGE WE LOVE

The study of English language in this age of globalization is essential. English language is the most important language of communication between different countries. In India, people of different states have their own language. English language has come to us as a connecting link among various states of India.

U.N. has recognized five language as its official language and of them English takes the first position because of its background, international acclaim of easy access to the people. If we go back to historical facts, we see that half of the globe was under the British imperialism. Those countries coming directly under British rule had by necessity or under compulsion to learn English and the rest either being influenced by the English culture or to keep pace with modern trend had but to opt for learning it.



French, German, Greek and definitely Sanskrit are not inferior to English, yet the fact is, English had stood the test of time. From the pragmatic point of view, it should receive a great boost. Inflict, English serves as a window to the world. It is known as to all that the legacy of English language has left an indelible imprint on the Indian psyche. The entire spectrum of education and philosophy, science and technology can be better understood through this language.

The common practice all over the world in the modern age is to learn English to facilitate easy understanding political, social, cultural and religious issues because this language is easier than French, German, Greek and Sanskrit.

English has emerged as the most important global language. It is a wrong view to hold that it is a language of British alone. English has evolved to be a language of science and technology. Majority of all important books for higher studies are written in English. The Indians must not keep their eyes closed in this adventurous period of globalization.

*Pawan Kumar meena*

*PGT English*





## KENDRIYA VIDYALAYA IN NEWS

### केन्द्रीय स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारम्भ

जिला कलक्टर ने किया उद्घाटन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क  
patrika.com



करौली. प्रदर्शनी के शुभारम्भ पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

करौली. केन्द्रीय स्कूल में संकुल स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2019-20 का शुभारम्भ जिला कलक्टर एनएम पहाडिया ने किया। इस अवसर पर केन्द्रीय स्कूल संगठन से सहायक आयुक्त डीआर मीणा निर्णायक मण्डल और अन्य विशिष्ट अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में केवि न. 1 अलवर, केवि इटारना अलवर, केवि भरतपुर, केवि धौलपुर, गंगापुरसिटी, सवाईमाधोपुर, करौली के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी की शुरुआत करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से संस्कृति की विविधता

और राष्ट्रीय एकता की भावना को बल मिलता है। सहायक आयुक्त ने बताया कि इनसे विविध क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं उभर कर सामने आती हैं। कार्यक्रम में इंटरनेशनल व नेशनल ग्रुप डांस, ग्रुप सोंग, सोलो सोंग डीवेट, संस्कृत श्लोक, हिन्दी काव्यपाठ, चित्रकला प्रदर्शनी आदि का आयोजन किया गया।

### करौली समाचार

#### आमजन को दिया स्वच्छता का संदेश

न्यूज़ सर्विस/नवज्योति, करौली

केन्द्रीय विद्यालय करौली में एक से 15 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य पवन सिंह मीना ने बताया कि पखवाड़े के तहत विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं



द्वारा प्रतिदिन जहां भी गंदगी दिखाई देती है, वहां पर तुरंत सफाई कर स्वच्छता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, साथ ही विद्यालय ही नहीं आसपास की भी सफाई कर रहे हैं। प्राचार्य ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत इन विविध गतिविधियों द्वारा प्रधानमंत्री की इस पहल को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। शारीरिक शिक्षक राजकुमार ने बताया कि आसपास की कॉलोनीयों में सोमवार को विद्यालय के विद्यार्थियों ने रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश आमजन तक पहुंचाने का कार्य किया गया। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत विद्यार्थियों को हाथ धोना, घर पर सफाई करना, लघु नाटिका, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्राचार्य ने अंतिम दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा।

### करौली में विश्व न्याय दिवस पर न्यायिक अधिकारियों ने बच्चों को दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता | करौली

अंतर्राष्ट्रीय विश्व न्याय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में केन्द्रीय विद्यालय में कार्यशाला आयोजित कर बच्चों को विधिक जानकारी दी गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अमर जिला एवं मेशन न्यायाधीश व सचिव रेखा यादव ने छात्र-छात्राओं को उनके मौलिक अधिकार, बाल विवाह अधिनियम, शिक्षा का अधिकार, राजस्थान पीडित प्रतिकर स्कीम, मीडियेशन, विधिक सहायता से संबोधित कानूनी



करौली. विश्व न्याय दिवस पर केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते न्यायिक अधिकारी व मंचासीन अतिथि तथा उपस्थित विद्यार्थी।

जानकारी दी। इससे पूर्व प्राचार्य पवन सिंह मीना ने अतिथियों का स्वागत किया। एससी-एसटी कोर्ट के न्यायाधीश गजेन्द्र तेनगुरिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेश मीणा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक

मजिस्ट्रेट रितु मीना, अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट विभा आर्ज, न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेश कुमारी ने विश्व न्याय दिवस के कारण व इसके विस्तार से जानकारी

### हिन्दी पखवाड़े में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

करौली @ पत्रिका. केन्द्रीय विद्यालय में मनाए जा रहे हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित हो रही हैं। प्राचार्य पवनसिंह मीना ने बताया कि आशु भाषण, नारा लेखन, साहित्यकारों के चित्र निर्माण, छंद गायन, कहो कहानी, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन किया गया। हिन्दी व्याख्याता रीता माथुर ने बताया कि पखवाड़े के तहत 17 सितम्बर को अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता होगी।

### स्वच्छता का बच्चों को बताया महत्व

करौली (ग्रामीण) महारो राजस्थान, समृद्ध राजस्थान के अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से केन्द्रीय विद्यालय में कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य पवनसिंह मीना ने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय के बीके सुनेहा, बीके सुरेश, बीके देवेन्द्र ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान, ऊर्जा संवर्धन अभियान विषयों पर व्याख्यान दिया। इससे पहले प्राचार्य ने सदस्यों का स्वागत किया।

(ग्रामीण संवाददाता)